CBSE कक्षा 12 आय और रोजगार का निर्धारण
अर्थशास्त्र महत्त्वपूर्ण प्रश्नोत्तर

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (1 अंक)

प्र. 1. समष्टि अर्थशास्त्र में 'समग्र आपूर्ति' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- एक अर्थव्यवस्था की सभी उत्पादक इकाईयों द्वारा एक निश्चित समयावधि में सभी अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के नियोजित उत्पादन के कुल मूल्य को समग्र पूर्ति कहते हैं।

प्र. 2. सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति की परिभाषा दीजिए।

उत्तर- उपभोग में परिवर्तन तथा आय में परिवर्तन को अनुपात को, सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति कहते हैं।

प्र. 3. पूर्ण रोजगार का अर्थ बताइए।

उत्तर- इससे अभिप्राय अर्थव्यवस्था की ऐसी स्थिति से है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति जो योग्य है तथा प्रचलित मौद्रिक मजदूरी की दर पर काम करने को तैयार है, को रोजगार मिल जाता है।

प्र. 4. आरक्षित नगदी निधि (CRR) अनुपात की परिभाषा दीजिए।

उत्तर- CRR (आरक्षित नगदी) निधि वाणिज्यिक बैंकों की जमाओं का वह अनुपात है जो उन्हें केन्द्रीय बैंक के पास रखना होता है।

प्र. 5. रेपो दर कफी परिभाषा दीजिए।

उत्तर- केन्द्रीय बैंक जिस ब्याज दर वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालीन ऋण देते हैं, उसे रेपो दर कहते हैं।

प्र. 6. सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मूल्य एक से अधिक क्यों नहीं हो सकता?

उत्तर- क्योंकि उपभोग में परिवर्तन, आय में परिवर्तन से अधिक नहीं हो सकता।

प्र. 7. समविच्छेद बिंदु या समता बिंदु या समस्तर बिन्दु किसे कहते हैं?

उत्तर- समविच्छेद बिन्दु वहाँ प्राप्त होता है जहाँ बचत शून्य (S = 0) होती है तथा उपभोग (C) = आय (Y).

3-4 अंक वाले प्रश्न

प्र. 1. ऐच्छिक व अनैच्छिक बेरोजगारी के बीच अन्तर बताइए।

उत्तर- एच्छिक बेरोजगारी तथा अनैच्छिक बेरोजगारी में अंतर-

1. **ऐच्छिक बेरोजगारी:** यह बेरोजगारी का वह रूप है जिसमें योग्य व्यक्ति मजदूरी की प्रचलित दर पर रोजगार या कार्य उपलब्ध होने क बावजूद काम करने को तैयार नहीं है।
2. **अनैच्छिक बेरोजगारी:** यह बेरोजगारी का वह रूप है जहाँ योग्य व्यक्ति बाजार में प्रचलित मजदूरी दर पर काम करने के लिए तैयार है, लेकिन रोजगार नहीं मिलता है।

प्र. 2. एक अर्थव्यवस्था में सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति (MPC) 0.75 है। अर्थव्यवस्था में निवेश व्यय में रुपये 75 करोड़ की वृद्धि हाती है। राष्ट्रीय आय में कुल वृद्धि ज्ञात कीजिए।

उत्तर- $K = \frac{1}{1-MPC} = \frac{1}{1-0.75}$
K = 4

$K = \frac{\Delta Y}{\Delta I}$
$4 = \frac{\Delta Y}{75}$
$\Delta Y = 4 \times 75$ = 300 करोड़

प्र. 3. एक अर्थव्यवस्था सन्तुलन में है। इसका उपभोग फलन = 300 + 0.8Y है तथा निवेश रु. 700 करोड़ हो तो राष्ट्रीय आय ज्ञात कीजिए।

उत्तर- C = 300 + O.8Y
Y = C + I
Y = 300 + 0.8Y + 700
0.2Y = 1000
Y = 5000
राष्ट्रीय आय = Rs. 5000

प्र. 4. कारण सहित बताइए कि निम्न कथन सत्य हैं या असत्य?

1. **जब सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति शून्य है तो निवेश गुणक का मान भी शून्य होगा।**

2. **औसत बचत प्रवृत्ति का मान कभी भी शून्य से कम नहीं होता है।**
3. **जब MPC > MPS तथा निवेश गुणक का मान 5 से अधिक होगा।**
4. **सीमान्त बचत प्रवृत्ति (MPS) का मान कभी भी ऋणात्मक नहीं होता है।**
5. **जब निवेश गुणक एक होता है तो सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति (MPC) शून्य होती है।**
6. **औसत बचत प्रवृत्ति का मान 1 से अधिक नहीं हो सकता है।**

उत्तर-

1. असत्य, क्योंकि जब MPC = 0. K = 1/(1 - MPC) = 1/1 - 0 = 1, अतः निवेश गुणक का मान एक होता है।
2. असत्य, क्योंकि जब अर्थव्यवस्था में बचतें होती हैं तो APS ऋणात्मक होती है।
3. सत्य, यदि MPC, 0.8 से अधिक हो

   या

   असत्य, यदि MPC, 0.5 से अधिक हो लेकन 0.8 से अधिक न हो।
4. सत्य, क्योंकि MPS = $\Delta S/\Delta Y$ होता है ओर आय में वृद्धि होने पर बचतों में कभी भी कमी नहीं हो सकता।
5. सत्य, क्योंकि K = 1/(1 - MPC) = 1/ (1 - 0) = 1.
6. सत्य, क्योंकि बचत, आय से अधिक नहीं हो सकती।

प्र. 5. निवेश गुणक तथा सीमान्त उपभोग प्रवृति में सम्बन्ध की व्याख्या कीजिए।

उत्तर- K = 1/(1- MPC), प्रदर्शित करता है कि MPC तथा निवेश गुणक में सीधा सम्बन्ध होता है। यदि बढ़ी हुई आय का अधिक भाग उपभोग पर व्यय किया जाएगा, तो निवेश गुणक का मान भी अधिक होगा। अर्थात् MPC का मान जितना अधिक होगा, गुणक का मान भी उतना ही अधिक होगा और विलोमश:।
उदाहरण: MPC = 0.5, K = 2, MPC = 0.75, K = 4, MPC = 0.8, K = 5.

प्र. 6. एक अर्थव्यवस्था का बचत वक्र रु. 30 करोड़ का ऋणात्मक, अतः खण्ड बनाता है और अतिरिक्त आय का 20% भाग बचाया जाता है। बचत तथा उपभोग फलन ज्ञात कीजिए।

उत्तर- $\overline{C}$ = 30 करोड़ रु.
MPS = 0.2
अतः बचत फलन / S = $-\overline{C}$ + (1 - b)y
= -30 + 0.2Y
उपभोग फलन MPC = 1 - 0.2 = 0.8
C = $\overline{C}$ + by

C = 30 + 0.8Y

अति लघु उत्तर वाले प्रश्न (1 अंक)

प्र. 1. समष्टि अर्थशास्त्र में 'समग्र आपूर्ति' से क्या अभिप्राय है?

उत्तर- एक अर्थव्यवस्था की सभी उत्पादक इकाईयों द्वारा एक निश्चित समयावधि में सभी अंतिम वस्तुओं एवं सेवाओं के नियोजित उत्पादन के कुल मूल्य को समग्र पूर्ति कहते हैं।

प्र. 2. सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति की परिभाषा दीजिए।

उत्तर- उपभोग में परिवर्तन तथा आय में परिवर्तन को अनुपात को, सीमान्त उपभोग प्रवृत्ति कहते हैं।

प्र. 3. पूर्ण रोजगार का अर्थ बताइए।

उत्तर- इससे अभिप्राय अर्थव्यवस्था की ऐसी स्थिति से है जिसमें प्रत्येक व्यक्ति जो योग्य है तथा प्रचलित मौद्रिक मजदूरी की दर पर काम करने को तैयार है, को रोजगार मिल जाता है।

प्र. 4. आरक्षित नगदी निधि (CRR) अनुपात की परिभाषा दीजिए।

उत्तर- CRR (आरक्षित नगदी) निधि वाणिज्यिक बैंकों की जमाओं का वह अनुपात है जो उन्हें केन्द्रीय बैंक के पास रखना होता है।

प्र. 5. रेपो दर कफी परिभाषा दीजिए।

उत्तर- केन्द्रीय बैंक जिस ब्याज दर वाणिज्यिक बैंकों को अल्पकालीन ऋण देते हैं, उसे रेपो दर कहते हैं।

प्र. 6. सीमांत उपभोग प्रवृत्ति का मूल्य एक से अधिक क्यों नहीं हो सकता?

उत्तर- क्योंकि उपभोग में परिवर्तन, आय में परिवर्तन से अधिक नहीं हो सकता।

प्र. 7. समविच्छेद बिंदु या समता बिंदु या समस्तर बिन्दु किसे कहते हैं?

उत्तर- समविच्छेद बिन्दु वहाँ प्राप्त होता है जहाँ बचत शून्य (S = 0) होती है तथा उपभोग (C) = आय (Y).